

ASHA ARCHIVES
3374

पू॥ जेँ कौं कौं कौं कौं ययालाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ जेँ कौं सिंहासनाय या पाइ कोष्ट ॥ जेँ कौं
थक विद्यागिनी नो यी ० जाँ देय जाँ सह जाँ या ग जाँ सन जाँ क ल जाँ सदा द जाँ थक
विद्यागिनी ती ख व नो ह व नो ॥ ग व नो घा क नो श द नो व ड व ड य नो ह न व नो द नो धी खि ज म द
सिनी नो य ॥ थ प य नाने वलिं गृह्ण २ म म सिद्धिं कूर्वन्तु हूँ ३ ख २ स्वाहा ॥ जेँ कौं पुगास म्नाये पा
पू॥ जेँ कौं धूर्धुरी सिद्धिं ताम् सुखे ये वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ जेँ कौं मृगमनाय या पू॥ जेँ कौं गौं गौं गौं
श्री श्री कूल गणेशाय वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ मू॥ ॥ जय साय ॥ दवी पूज विष्णु म्नाये नृप गणेशाय दि

॥ पंचम लय च न विलम्ब क सार्व विप्रिय निष्कृत ममु ॥ ॥ गगा विवलि पूजा ॥ श्री संवत्
॥ जेँ कौं धूर्धुरी न न क या दि ॥ जेँ कौं हं रे ज्ञान न द ग कि रे न वान न द वी वा धि पर्य मं हं ज्ञा पा प
जा जेँ न व व लि ॥ ॥ गगा विवलि पूजनी ॥ म्नाये न ग या ॥ जेँ कौं न ग मनाय या पाइ ॥ ॥ ध्यानी ॥ ध
गा सान सिर्ग दर्व नील कर्ण क व क क पि न र्ग प र्ण उं द र्व ख ड्ड रु ग क वा न क ॥ उ म न
ख द्वा ग रु क वि नु का पा ल वा वि र्ग ॥ म लु मी ला दि ह र्ग ॥ ग द्या न र्ग द्वा ग पा ल क ॥
॥ जेँ कौं कौं कौं कौं ययालाय या पू ॥ ३ ॥ व लि ॥ जेँ म य न मनाय या पाइ ॥ जेँ कौं म हा म य न मा त

ई कमानं बालनृपकां वक्रमस्तु हि रूपाङ्गं दधु शाकि वनं धृगं ॥ विदु मूढा कनं ॥
मानुवकां ववविष्टमिती ॥ तुर्वत्र क्षायग निर्यं वरु कं कृतपूठ कं ॥ नं ऊ शी की क
ले यवदू कता ॥ अथ पाप ॥ ३ ॥ वति ॥ नं ऊ मूढा सन पाप ॥ अथान ॥ मूढा पृष्टा सन
धर्वं मूढा गी गड वक्र की ॥ अति नय पञ्च लूकं मूढा दैव वक्र की ॥ नमय मूढा यवी
नं वसव इति नता गानं ॥ तुर्व विष्टि ह न ध्या रवा गदाना धर्म मूढा सन ॥ नं ऊ गी गी गी ॥ ४

एते शाकल यै गी गी गी ॥ वति ॥ मूढा ॥ ॥ गी गी गी गी गी गी ॥
गी गी गी ॥ अथ पाप ॥ ३ ॥ पद्मासनाय पाप ॥ नं ऊ गी गी गी गी ॥ अथान ॥ गी गी
मूढा वसा ॥ अथ पाप ॥ ३ ॥ नमय ॥ वस ॥ मूढा सन पय्यं न पृष्टा ॥ अथान
वक्र ॥ वति ॥ अथ पाप ॥ ३ ॥ स्वर्गं मं मूढा वति ॥ ॥ गी गी गी गी गी गी
गी गी गी गी ॥ मूढा यी ॥ नं ऊ गी गी गी मूढा सन पय्यं न पृष्टा ॥ अथान
॥ नं मूढा गी गी गी ॥ अथ पाप ॥ ३ ॥ कलि कल खक गी गी ॥ मूढा सन पय्यं न पृष्टा ॥

मूख्यमस्तु ताया दि॥ वास॥ नैजं उं हं गस्तु यरुट्॥ कन॥ धन॥ नैजं उं हं जां नै
 सुष्टायां नम॥ नैजं उं हं कीं नैजं तायां स्वाहा॥ नैजं उं हं हं मयमायां ववट्॥ नैजं उं हं हं
 अनामिकायां हं॥ नैजं उं हं हं कतिष्टायां वोषट्॥ नैजं उं हं हं कन॥ लपृष्टा
 यां मूख्यमस्तु॥ नैजं उं हं हं हं दयाय नम॥ नैजं उं हं हं निवमस्वाहा॥ नैजं उं हं हं
 निवमस्वाहा॥ नैजं उं हं हं कवयाय हं॥ नैजं उं हं हं नययाय वोषट्॥ नैजं उं हं हं

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ ह्रीं क्रियाशक्तयः ॥ मरध्या ॥ ॐ ह्रीं लूं रूं डा यः ॥ नूं भा ॥ मूं ये ॥ हूं ने ॥ वूं वनूं ॥ यूं वा ॥ हूं कूं ॥
हूं लीं भनायः ॥ अूं अूं धूं ॥ उूं उूं दूं ॥ पूवार्दी भनानं ॥ ॥ ॐ ह्रीं भूधिन्यादि अष्टा विंशतिन क
प्रसा ॥ ॥ नवलवा ६ कुमलनवायाडा नवनलमूर्ति नृत्य ध्वन पूजनं ॥ ध्यान ॥ उन्मीलनवनी
लनीनऊवयः सोन्यसात्रादयः ॥ विलतवक्रनलोवनः मूलनिगः कन्दर्पलीलालयः ॥ हूं यः वा
उमीलयनः प्रविलसस्तीगाम्ननः कुणुली साक्षाद्विष्णु नवं महावललयं ह्रीं भनमानानसः ॥ ॐ ह्रीं
लीं ह्रीं ननूपमहाहं नवाय आ धनगकि सहिताय भवतन २ स्त्राहा ॥ नवलसंवलि ॥ ॐ ह्रीं अूं २

विष्णुवसिष्ठिपुदायनमः ॥ वलि ॥ ॥ नि ह्रीं भन ॥ १ ॥ वीं हृदयादिषडंगन्यासः ॥ ध्यानं ॥ ॥ भ
भवविन्दानूलदहकान्ति मूवावेनिष्ठानृपलवभयः ॥ नाऊधवंडीः सूत्रनाऊदहः
शीमान्महासाहयूतः सवीनः ॥ ॐ ह्रीं वं वी ननूपमहाहं नवायाधर्मगकि सहिताय भू
वतन २ स्त्राहा ॥ वलि ॥ वी न ॥ २ ॥ ॥ वीं हृदयादिन्यास ॥ ध्यानं ॥ ॥ भ कात्मा कनूत्मेन स
सुनूधनी व्यामाहसम्यादका निनीगानि ॥ भववात्तननमा निर्वदकानादनः ॥ शीपूय
शानुनिगमिनी किनिरवत्स्वायादितीयः यून दीनालाकननादनः ॥ वलगा निर्वदभा

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or account. The text is arranged in approximately five horizontal lines across the upper half of the page. The ink is dark and the paper is aged and yellowed.

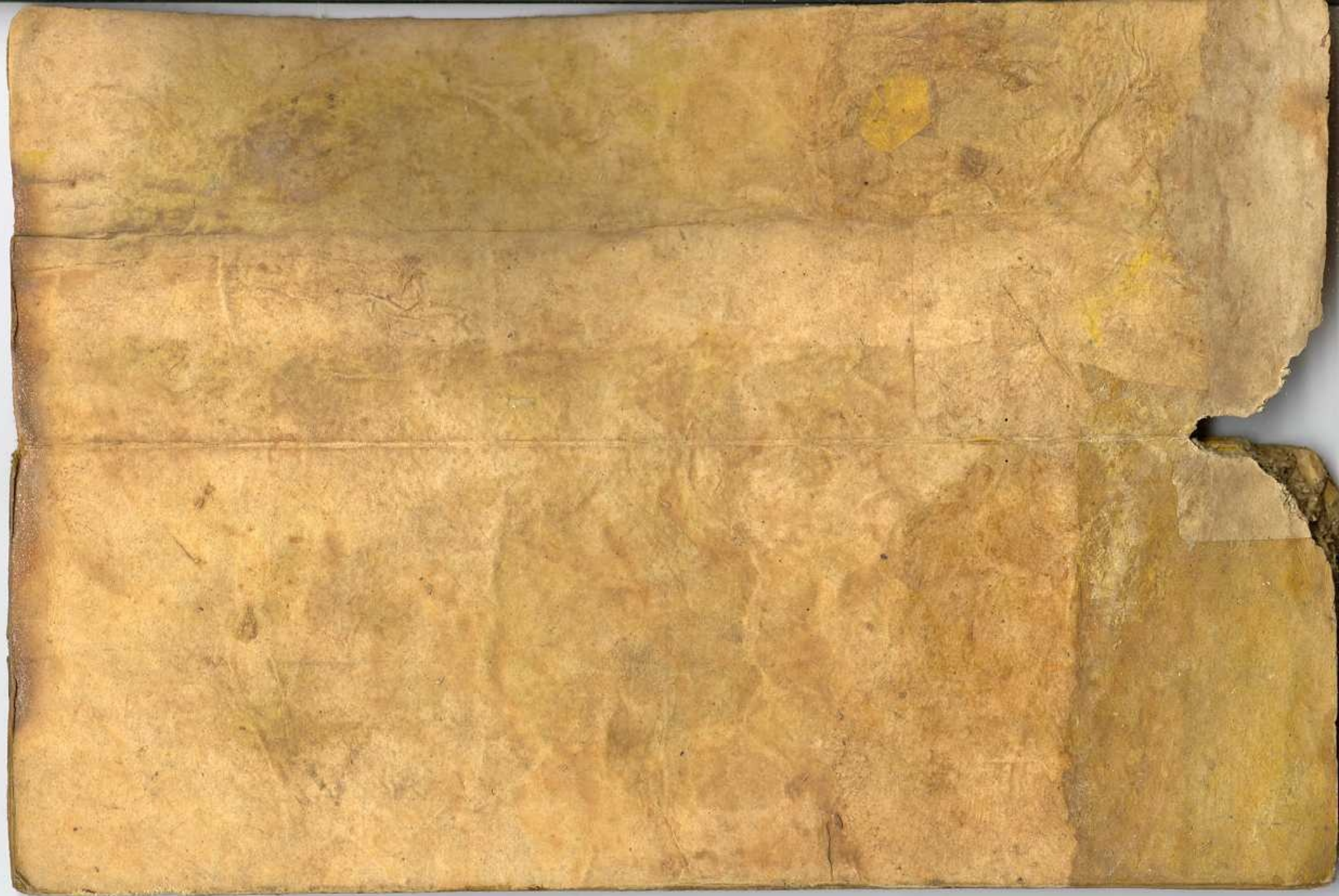
Handwritten text in Devanagari script, continuing from the upper page. The text is arranged in approximately five horizontal lines across the lower half of the page. The ink is dark and the paper is aged and yellowed.



Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The text is arranged in several lines across the upper half of the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The text is arranged in several lines across the lower half of the page.

ASHA ARCHIVES 3374



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवति तदा ॥
सुखं भवति तदा ॥
सुखं भवति तदा ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥
 एकं गणेशं त्रिमूर्तिरूपम् ॥
 सर्वभूतहिते रतम् ॥
 नमस्कृत्यैव प्रणम्य ॥
 भक्त्या चैव पूजयेत् ॥
 सदा विष्णुसहस्रनाम् ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ २ ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ६ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ ७ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ८ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ ९ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ १० ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ ११ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १२ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ १३ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १४ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १५ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ १६ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १७ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १८ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ १९ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २० ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २१ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ २२ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २३ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २४ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ २५ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २६ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ २७ ॥
 समवेता युयुत्सवाः ॥ २८ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २९ ॥
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ ३० ॥

